नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 055
दि. 24.06.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पश्चिमी यूपी को योगी सरकार की बड़ी सौगात, मुजफ्फरनगर-हरिद्वार कॉरिडोर को मंजूरी; डीपीआर तैयार करने की मिली सहमति

(जीएनएस)।

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुजफ्फरनगर-हरिद्वार (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) कारिडोर के लिए एएआर-डीपीआर तैयार कराने को सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी गई है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर भेंट कर आभार जताया।

कपिल देव ने कहा कि परियोजना के धरातल पर उतरने से मुजफ्फरनगर, रुड़की और हरिद्वार के बीच आवागमन न केवल तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगा, बल्कि यह पूरा क्षेत्र आर्थिक गतिविधियों का नया केंद्र बनेगा। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा

हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थल तक तेज कनेक्टिविटी से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। सेमी हाईस्पीड परिवहन परियोजनाएं प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई ऊर्जा देने के साथ आम नागरिकों के जीवन को सुगम बना रही हैं।

यह पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास की नई जीवनरेखा होगी। वर्तमान में नई दिल्ली से मेरठ के बीच रैपिड रेल का संचालन किया जा रहा है, जिसका इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभारंभ किया था।

लखनऊ अग्निकांड: सीएम योगी सख्त, लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी को किया तलब, अवैध निमाणों पर मांगी विस्तृत रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। अलीगंज कोचिंग अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध निमार्णों और नियमों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को मंगलवार शाम पांच बजे तलब कर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने 1 जनवरी 2026 से अब तक शहर के सभी सात जोनों में जारी किए गए सीलिंग नोटिसों, उनके अनुपालन की स्थिति और अवैध निमार्णों के खिलाफ की गई ध्वस्तीकरण कार्रवाई (बुलडोजर एक्शन) का पूरा ब्यौरा मांगा है।

कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई

साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने यह भी पूछा गया है कि नोटिस जारी होने के बाद कितने मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई और कितने मामलों में नियमों

का उल्लंघन जारी रहा। गौरतलब है कि सोमवार को अलीगंज स्थित एक कोचिंग संस्थान में भीषण आग लगने से 15 छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

आग लगने की घटना की प्रारंभिक जांच में सामने आया

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जिस भवन में हादसा हुआ, वहां कोचिंग सेंटर के अलावा पेट शॉप, क्लीनिक और एनिमेशन सेंटर भी संचालित किए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि भवन निर्माण और उपयोग से जुड़े कई नियमों का उल्लंघन किया गया था।

इस भयावह हादसे में कई पालतू जानवर भी आग की चपेट में आकर जिंदा जल गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया था।

एसआईटी ने घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए

वहीं, एसआईटी ने मंगलवार को घटनास्थल का निरीक्षण कर वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली। जांच दल आग लगने के कारणों, भवन की वैधता, सुरक्षा मानकों की स्थिति और प्रशासनिक लापरवाही के पहलुओं की गहन जांच कर रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट जल्द ही शासन को सौंपी जा सकती है।

लगा रहेगा पंडाल, 25 या 26 जून को हाथरस आ सकते हैं सीएम योगी, कार्यक्रम का इंतजार

(जीएनएस)।

हाथरस, 23 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हाथरस आना था। 22 जून को मुख्यमंत्री अलीगढ़ आए थे और उनका रात्रि विश्राम वहीं था। अलीगढ़ में जनसभा के दौरान ही मुख्यमंत्री को लखनऊ के अग्निकांड की सूचना मिली। इसके बाद वे अलीगढ़ से लखनऊ लौट गए और हाथरस का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाथरस में दौरा अब 25 या 26 जून को हो सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी संभावना व्यक्त की है। शासन स्तर से मिले संकेतों के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सलेमपुर में जनसभा के लिए बनाया गया विशाल पंडाल और कुर्सियां अभी हटाई नहीं गई हैं। लखनऊ से मिनट-टू-मिनट आधिकारिक कार्यक्रम मिलने का इंतजार है।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 23 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हाथरस आना था।

इसके लिए जिला प्रशासन ने मेंडू रोड स्थित सलेमपुर औद्योगिक क्षेत्र में पंडाल निर्माण समेत सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। हर विधानसभा से कार्यकताओं को लाने के लिए बसों की व्यवस्था भी हो चुकी थी। 22 जून को मुख्यमंत्री अलीगढ़ आए थे और उनका रात्रि विश्राम वहीं था। अलीगढ़ में जनसभा के दौरान ही मुख्यमंत्री को लखनऊ के अग्निकांड की सूचना मिली। इसके बाद वे अलीगढ़ से लखनऊ लौट गए और हाथरस का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। जिससे प्रशासन की तैयारियां धरी की धरी रह गई थीं।

मुख्यमंत्री जिले को 486 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की बड़ी सौगात देंगे। मंगलवार को जिला प्रशासन को लखनऊ से इस संबंध में सकारात्मक संकेत मिले हैं, जिसके बाद से कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को फिर से चाक-चौबंद किया जा रहा है।

अभी तक आधिकारिक रूप से मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है। जल्द ही मुख्यमंत्री के आगमन की पूरी उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखकर प्रशासन स्तर पर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। - अतुल वत्स, जिलाधिकारी।

योगी का राह पर चले शुभेंदु ?: 'मुगलों-पठानों के नाम पर नहीं होगी कोई सड़क', बंगाल के मुख्यमंत्री का बड़ा एलान

(जीएनएस)।

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की है कि कोलकाता में अब मुगलों, पठानों और दमनकारी ब्रिटिश शासकों के नाम पर कोई सड़क या इलाका नहीं रहेगा। इसके लिए राज्य सरकार एक समिति गठित करेगी। सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलने को लेकर विपक्ष ने सरकार पर इतिहास को विकृत करने का आरोप लगाया है। आइए, विस्तार से पढ़ते हैं....

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर नामकरण को लेकर नई बहस छिड़ गई है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा शहरों, सड़कों और स्थानों के नाम बदलने के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह की पहल देखने को मिल रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को विधानसभा में बड़ा एलान करते हुए कहा कि कोलकाता में अब किसी भी सड़क या इलाके का नाम मुगलों, पठानों या दमनकारी ब्रिटिश शासकों के नाम पर नहीं रखा जाएगा। उनके इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब कोलकाता नगर निगम द्वारा सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड किए जाने को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। विपक्ष सरकार पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगा रहा है, जबकि सरकार इसे ऐतिहासिक भूल सुधारने की दिशा में उठाया गया कदम बता रही है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि राज्य सरकार सड़कों और सार्वजनिक स्थलों के नामों की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन करेगी। इस समिति की अध्यक्षता स्वामी प्रदीप्तानंद उर्फ कार्तिक महाराज करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोग भी इस समिति को सुझाव दे सकेंगे और केवल सच्चे देशभक्तों के नामों पर ही विचार किया जाएगा।

यह पूरा विवाद कोलकाता की प्रमुख सड़क सुहरावर्दी एवेन्यू का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड किए जाने के बाद शुरू हुआ। विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि यह सड़क पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री हुसैन शहीद सुहरावर्दी के नाम पर नहीं, बल्कि प्रसिद्ध चिकित्सक और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले मुस्लिम कुलपति सर हसन सुहरावर्दी के नाम पर रखी गई थी। उनका आरोप है कि सरकार ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी कर रही है।

शुभेंदु अधिकारी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कोलकाता की पहचान बंगाली संस्कृति और गौरव से जुड़ी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिस्टर निवेदिता को छोड़कर किसी विदेशी नाम को नहीं रखा जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान भारतीयों के नामों को सम्मान दिया जाएगा।

कांग्रेस और माकपा ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा और जयराम रमेश ने कहा कि सरकार इतिहास को राजनीतिक नजरिए से देख रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात की। श्री मोदी ने समकालीन वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में इस समूह के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री मोदी ने रेखांकित किया कि भारत की ब्रिक्स की अध्यक्षता सदस्य देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

हिमाचल के राज्यपाल ने पत्नी के साथ ट्रेन से की चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा, पीएम मोदी की अपील का असर

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ'ान से प्रेरित होकर आज अपनी धर्मपत्नी के साथ चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा हवाई मार्ग के स्थान पर रेलमार्ग से की। उनका कहना है कि आज की इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्र की संपत्तियों एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और मितव्ययी उपयोग का संदेश देना है। जब भी संभव हो, हमें ऐसे विकल्प अपनाने चाहिए जो राष्ट्रीय संसाधनों पर अनावश्यक दबाव को कम करें और राष्ट्रहित को सुदृढ़ करें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है। ऐसे समय में हम सभी का दायित्व है कि सार्वजनिक संसाधनों के संरक्षण और उनके न्यायसंगत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें। भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है और करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम है।

बेंगलुरु मेट्रो की नम्मा मेट्रो पर्पल लाइन ठप ? हजारों यात्री फंसे, कहां-कहां गड़बड़ी ?

(जीएनएस)।

बेंगलुरु (नम्मा मेट्रो) की पर्पल लाइन पर मंगलवार (23 जून) शाम पीक आवर्स में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। कब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन पर एक ट्रेन में खराबी के कारण सेवाएं बाधित हो गईं। इससे एमजी रोड, कब्बन पार्क, आलीशान जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भारी भीड़ जमा हो गई। ऑफिस से लौट रहे हजारों यात्री घंटों फंसे रहे और कई को ऑटो, कैब या बस का सहारा लेना पड़ा। इटफ्छ ने तुरंत शटल सेवाएं शुरू कीं, लेकिन सामान्य परिचालन रात 9 बजे के बाद भी आंशिक रूप से ही बहाल हो सका।

यह हाल के वर्षों की सबसे गंभीर रुकावटों में से एक साबित हुई, जिसने बेंगलुरु की ट्रैफिक समस्याओं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कमजोरियों को फिर से उजागर कर दिया।

समस्या शाम करीब 6:32-6:45 बजे शुरू हुई, जब कब्बन पार्क स्टेशन (अंडरग्राउंड) पर एक ट्रेन में तकनीकी खराबी आई। इटफ्छ के अनुसार, ट्रेन के Current Collector Device (CCD) में समस्या आई, जो ट्रेन को थर्ड रेल से बिजली सप्लाई करती है। इस दौरान थर्ड रेल का प्रोटेक्टिव कवर (येलो इंसुलेटेड Vfroud) भी क्षतिग्रस्त हो गया।

इसके तुरंत बाद पर्पल लाइन पर एमजी रोड से मगाडी रोड के बीच सेवाएं पूरी तरह निलंबित कर दी गईं।

यात्री प्लेटफॉर्म पर फंस गए, एस्केलेटर्स और एग्जिट गेट्स पर भारी भीड़ लग गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए, जिनमें स्टेशनों के बाहर तक लंबी कतारें दिख रही थीं।

BMRCL की प्रतिक्रिया क्या ?

ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर (OCC) ने तुरंत अलर्ट जारी किया।

मेंटेनेंस टीमें मौके पर पहुंचीं।

शॉर्ट लूप शटल सेवाएं शुरू की गईं: मगाडी रोड - चल्लाघट्टा और एमजी रोड - व्हाइटफील्ड (कडुगोडी) के बीच।

रात 9 बजे के बाद सेवाएं व्हाइटफील्ड-इंदिरानगर और चल्लाघट्टा-नाडाप्रभु केम्पेगौड़ा (मैजेस्टिक) के बीच आंशिक रूप से बहाल की गईं।

BMRCL ने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताया और सहयोग की अपील की। पुलिस ने स्टेशनों के आसपास अतिरिक्त फोर्स तैनात किया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

पर्पल लाइन नम्मा मेट्रो की सबसे महत्वपूर्ण लाइन है।

लंबाई: 43.49 किलोमीटर

स्टेशन: 37 (31 एलिवेटेड, 5 अंडरग्राउंड, 1 एट-ग्रेड)

रूट: चल्लाघट्टा (दक्षिण-पश्चिम) से व्हाइटफील्ड (कडुगोडी, पूर्व) तक

मुख्य इलाके: व्हाइटफील्ड आईटी हब, के.आर. पुरम, इंदिरानगर, एमजी रोड, कब्बन पार्क, विधान सौधा, मैजेस्टिक, विजयनगर, राजराजेश्वरी नगर, केंगेरी।

यह लाइन क्ळ प्रोफेशनल्स, सरकारी कर्मचारियों और आम यात्रियों की रोजमर्रा की यात्रा का मुख्य साधन है। पीक आवर्स में ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी 4-5 मिनट की होती है, लेकिन एक छोटी खराबी पूरे नेटवर्क को प्रभावित कर देती है क्योंकि यह एक लाइन सिस्टम है।

कब्बन पार्क स्टेशन सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (CBD) में है।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड: घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल और एसआईटी की टीम, साक्ष्य जुटाकर शुरू की जांच

(जीएनएस)।

नई दिल्ली/लखनऊ। अलीगंज में सोमवार को हुए भीषण कोचिंग अग्निकांड के बाद जांच एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

मंगलवार को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की एक संयुक्त टीम ने उस दुर्घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया, जहां सोमवार को लगी भयानक आग में 15 छात्रों की मौत हो गई थी।

जांच टीम ने घटना के वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए मलबे, जर्जर तारों और जले हुए उपकरणों के नमूने एकत्र किए हैं, ताकि आग लगने की सही वजह और शॉर्ट-सर्किट के दावों की जमीनी हकीकत का पता लगाया

जा सके।

बता दें कि 22 जून को कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई थी। इमारत अवैध बताई जा रही है। रिहायशी इलाके में कमर्शियल बिल्डिंग बना दी गई। अवैध इमारत में फायर सेफ्टी के कोई भी इंतजाम नहीं थे। सरकार ने इस बड़ी घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है।

: 'मेरे पति 4 दिनों से गायब, पता नहीं जिंदा भी हैं या नहीं', तेजप्रताप के पीए की पत्नी का बड़ा आरोप

लालू यादव के बड़े बेटे और खखऊ अध्यक्ष तेजप्रताप यादव के निजी सहायक (PA) मोतिलाल राय पर चोरी के आरोप ने नया राजनीतिक और कानूनी विवाद खड़ा कर दिया है। तेजप्रताप यादव ने सचिवालय थाना में ऋक्र दर्ज कर आरोप लगाया है कि उनके आवास से करीब 20 लाख रुपये नकद, सोने के गहने, लैपटॉप, मोबाइल और अन्य कीमती सामान चोरी हुए हैं।

वहीं दूसरी ओर मोतिलाल की पत्नी प्रीति भारती ने इन आरोपों को साजिश बताया है। उनका दावा है कि उनके पति को जानबूझकर फंसाया जा रहा है और उन्हें यह तक नहीं पता कि फिलहाल उनके पति कहां हैं।

'राम के घर चोरी, अरे! राम राम राम', अयोध्या मंदिर मामले पर शेखर सुमन ने कसा तंज, बोले- ट्रस्ट तो टूटा है

राम मंदिर में चोरी के मामले पर शेखर सुमन ने अपने शो 'शेखर टुनाइट' में तंज कसते हुए कहा कि "कलयुग ओवरटाइम काम कर रहा है।" इससे पहले भी वह अपने राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य वाले बयानों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, शेखर सुमन इस वक्त अपने टॉक शो 'शेखर टुनाइट' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हर एपिसोड की शुरूआत में वो अपने अंदाज में देश-दुनिया में चल रहे मुद्दों पर कुछ पंक्तियां जरूर कहते हैं। हाल ही में उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर में चोरी के मामले में तंज कसते हुए कहा है कि कलयुग ओवरटाइम काम कर रहा है।

शेखर सुमन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'मंदिर में भी चोरी? कलयुग ओवरटाइम काम कर रहा है।' इसी के साथ वीडियो में वो कह रहे हैं, 'अयोध्या से राम मंदिर में चोरी होने की खबर आई। राम के घर चोरी? अरे! राम राम राम। इस बारे में जब हमने भाजपा वालों से पूछा तो एक भाजपाई ने झुंझला के कहा अरे भाई साहब, अयोध्या से हमारी सीट चोरी हो गई है, तुम्हें चढ़ावे की पड़ी है।'

शेखर सुमन ने आगे कहा, 'जब मीडिया ने सरकार के किसी मंत्री से इस चोरी के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का मामला है। सही कहा मंत्री जी मामला 'ट्रस्ट' का ही है। और वो इतनी बार टूट चुका है कि अब ट्रस्ट पर ट्रस्ट ही नहीं रहा रे।'

कॉकरोच जनता पार्टी का जिक्र कर आप को किया था रोस्ट

इससे पहले शेखर सुमन ने कॉकरोच जनता पार्टी और पीएम मोदी का भी अपने वीडियो में जिक्र किया था। शेखर ने कहा था, 'मेरे प्रिय कॉकरोचों, उम्मीदें तो आपने जगा दी हैं, अब आपसे बस इतना आग्रह है, निवेदन है जंतर मंतर से छू मंतर मत हो जाइएगा। मतलब, पलट मत जाइएगा क्योंकि जंतर मंतर का पलटने का पुराना इतिहास है। देखिए ना केजरीवाल जी यहां से कह के गए कि राजनीति में नहीं जाऊंगा, फिर पलट गए। बोले सरकारी मकान नहीं लूंगा, नहीं नहीं नहीं फिर पलट गए। बोले सरकारी गाड़ी नहीं लूंगा, फिर पलट गए।'

उन्होंने आगे कहा था, 'लेकिन कॉकरोचों आप मत पलटिएगा क्योंकि कॉकरोच अगर एक बार पलट गया, तो फिर सीधा नहीं हो सकता, जब तक किया ना जाए। बस एक सलाह है हमारी कि जिंदा लोकतंत्र में आवाज जिंदा रहनी चाहिए। मानना है तो मानिए, वरना औंधे पड़े-पड़े हाथ-पैर मारते रहेंगे. फिर AAP का झाड़ू भी कुछ नहीं कर पाएगा।'

शेखर सुमन ने स्क्रीन स्पॉटलाइट पर अपने छोटे से राजनीतिक करियर के बारे में खुलकर बात की है। शेखर से पूछा गया कि 'शेखर टूनाइट' के पहले एपिसोड में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शामिल हुए थे। क्या भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सदस्य होने की वजह से उन्हें शो में लाना आसान हुआ? इसका जवाब उन्होंने एक लाइन में देते हुए कहा कि नहीं, मैं सिर्फ 24 घंटे के लिए बीजेपी का सदस्य था।

शेखर के जवाब के बाद उनसे सवाल किया गया कि तो फिर उन्होंने पार्टी में शामिल होने का फैसला क्यों किया? इस पर अभिनेता ने कहा, 'पता नहीं। कभी-कभी हालात ऐसे बन जाते हैं कि आप मुश्किल में फंस जाते हैं। कुछ वजहें आपके बस में नहीं होतीं। मेरे साथ ऐसा दो बार हुआ है कि मैंने वो काम किया जो मैं नहीं करना चाहता था।

काकादेव में केडीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई, बड़े कोचिंग संस्थान सहित 31 सील, बेसमेंट में चल रही थी क्लास

(जीएनएस)।

कानपुर। लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में बेसमेंट में चल रही कोचिंग क्लासेज में ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। केडीए (कानपुर डेवलपमेंट अथारिटी) ने 31 कोचिंग क्लासेज में छापा मारा। कई बड़े संस्थानों में बेसमेंट में क्लास चलने की वजह से तत्काल छुट्टी करते हुए बिल्डिंग को सील कर दिया।

फिजिक्स वाला, विद्यापीठ और वर्कस्पेस में पहुंची टीम

लखनऊ में अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद सीएम की सख्ती को देखते हुए सोमवार रात केडीए की टीम ने काकादेव में छापेमारी शुरू कर दी। शाम को निकले विभाग के दस्ते ने तीन घंटे के भीतर ही फिजिक्स वाला, विद्यापीठ और वर्कस्पेस समेत 16 कोचिंग सेंटर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सील कर दिए। इसके साथ ही 22 प्रतिष्ठानों को चिह्नित कर नोटिस दी जा रही है।

बेसमेंट में चल रही थी क्लास

उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक के आदेश पर केडीए के प्रवर्तन दस्ते ने सोमवार शाम को कोचिंग मंडी में जांच शुरू की। काकादेव में विद्यापीठ, फिजिक्स वाला, संजीव राठौर कोचिंग, वर्क स्पेस समेत 16 कोचिंग में से कई बेसमेंट में चलते मिले जबकि कुछ में निकास के लिए नक्शे के अनुरूप व्यवस्था नहीं की गई थी।

नक्शे की अनदेखी, 22 प्रतिष्ठान चिन्हित

नक्शे की अनदेखी पर जोन एक के दस्ते ने तीन, जोन दो बी के दस्ते ने पांच, जोन तीन के दस्ते ने तीन और जोन पांच के दस्ते ने पांच प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। इसके साथ ही 22 अन्य प्रतिष्ठानों को भी चिह्नित किया है। इनके नक्शे की जांच के साथ ही सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग संचालकों संग पुलिस आयुक्त करेंगे बैठक

लखनऊ में हुई घटना के बाद शहर की कोचिंग मंडी को लेकर प्रशासन सतर्क हुआ है। पुलिस आयुक्त ने मंगलवार को बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी प्रमुख कोचिंग संचालकों के साथ ही अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे। कोचिंग संचालकों को संस्थानों में अग्निसुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके बाद अग्निशमन विभाग कोचिंग संस्थानों में अग्निसुरक्षा मानकों की पड़ताल करेगा और माकड़िल कर संचालकों व छात्र-छात्राओं को जागरूक करेगा।

मंगलवार को 16 कोचिंग संस्थान व प्रतिष्ठान सील

मंगलवार को भी प्राधिकरण की टीम ने बिना मानक की बनी और बेसमेंट में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर 16 कोचिंग संस्थान और प्रतिष्ठान सील किए थे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद खुला एलडीए में भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा, मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट में खुलासा

(जीएनएस)।

लखनऊ। अग्निकांड की जांच की आंच मंगलवार को एलडीए के भीतर पहुंच गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनवरी से 20 जून तक अवैध निर्माण पर हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा मांग लिया। रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारियों के चेहरे पर सिकन और एसी कमरे में बैठकर भी माथे पर पसीना साफ दिखा।

कभी इस कमरे भागकर एक फाइल उठाते तो कभी दूसरे कमरे से कुछ और रिकार्ड। आखिर जब रिपोर्ट तैयार हुई तो एलडीए में पिछले कई वर्षों से व्याप्त भ्रष्ट तंत्र का चेहरा सामने आ गया। पता चला कि एलडीए अफसरों की मिलीभगत से ही अवैध अपार्टमेंट, होटल और व्यावसायिक भवन बन गए।

अलीगंज की तरह ही गोमतीनगर, आशियाना, कानपुर रोड सहित शहर के 1043 आवासीय भूखंडों और भवनों पर अवैध रूप से व्यावसायिक कांप्लेक्स और भवन बनाए गए हैं। इसमें कुछ का एकल आवासीय यूनिट का मानचित्र स्वीकृत किया गया है। नई भवन निर्माण नीति के तहत इनको शमन के लिए नोटिसें भी भेजी गई हैं।

हालांकि, केवल 257 लोगों ने ही अवैध रूप से चल रहे व्यावसायिक निर्माण का शमन कराने के लिए एलडीए से संपर्क किया है। इसी तरह चारबाग में आवासीय भू उपयोग के विपरीत चल रहे 157 होटल बिना नक्शे पास हुए तैयार किए गए हैं। होटल लेवाना अग्निकांड के बाद इन होटलों पर भी एलडीए ने नोटिस भेजकर खानापूर्ति की है।

दो हजार ध्वस्तीकरण आदेश

एलडीए के विहित न्यायालय में अलीगंज के कांप्लेक्स की तरह ही करीब दो हजार बड़े निर्माण के ध्वस्तीकरण के आदेश हुए हैं। इसमें सबसे अधिक आदेश गोमतीनगर और चौक से जुड़े क्षेत्रों के हैं। इन ध्वस्तीकरण आदेश के बाद भी एलडीए का बुलडोजर नहीं चल सका है।

अफसरों को बांटे फ्लैट

एलडीए अफसरों और बिल्डरों के बीच गठजोड़ का मामला नजूल की भूमि पर बने यजदान अपार्टमेंट के ध्वस्तीकरण के समय सामने आया था। प्राग नारायण रोड, वजीर हसन रोड और डालीबाग में यजदान बिल्डर की आठ संपत्तियों का पता चला था। इसे एकल यूनिट का नक्शा दाखिल करके बनाया गया था। एक के बाद एक कई नक्शों के निरस्त होने के बावजूद अवैध निर्माण होते गए।

बिल्डर ने वर्ष 2011 और 2012 में एलडीए के कई इंजीनियरों और अफसरों को अपने अपार्टमेंट में फ्लैट गिफ्ट किए थे। पुराना किला के पास लखनऊ मांटेसरी स्कूल के ठीक बगल में यजदान बिल्डर ने एकल यूनिट का नक्शा 27 मार्च 2015 को जमा किया और यह 25 जून 2015 को निरस्त हो गया। इसके बावजूद एक बड़ा अपार्टमेंट खड़ा हो गया। एकल आवासीय यूनिट का नक्शा पास कराकर महानगर सहित कई इलाकों में 200 से अधिक अपार्टमेंट बन गए है।

विहिप की शीर्ष बैठकों तक पहुंची रामलला मंदिर चढ़ावा चोरी की आंच, अयोध्या में होने वाली 5 दिवसीय मीटिंग स्थगित

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों की चढ़ावा चोरी की आंच अब विहिप की शीर्ष बैठकों तक पहुंच गई है। राम के आंगन अयोध्या में ही एक दिनों बाद से शुरू होने वाली पूर्व निर्धारित यह बैठकें अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए स्थगित कर दी गई है।

विहिप की केन्द्रीय प्रबंध समिति व प्रन्यासी मंडल की नीति निर्धारक बैठकें 25 से 29 जून तक आयोजित थी, जिसमें दान चोरी प्रकरण पर भी विस्तार से चर्चा भी तय थी, जिसमें हंगामा भी संभावित था।

संगठन के शीर्ष सूत्रों के बैठक को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। आगे यह बैठक कब और कहां होगी, यह जल्द तय किया जाएगा।

इसके पूर्व विहिप की मार्गदर्शक मंडल व उच्चाधिकार समिति की बैठक 18 व 19 जून को हरिद्वार में हुई थी, जिसमें भी यह मुद्दा छाया रहा था। उस बैठक में देशभर के प्रमुख संत मौजूद थे। जिसमें मांग उठी कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को रामजी के एक-एक पैसे का जिम्मेदार बताते हुए ट्रस्ट के साथ ही रामालय ट्रस्ट और राम जन्म मंदिर पुनर्निमाण ट्रस्ट के भी खातों की जांच की जाए।

स्थगित हुई केंद्रीय प्रन्यासी मंडल और केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठकों में विश्व भर से 300 से अधिक विशिष्ट पदाधिकारी आमंत्रित थे।

वर्ष में दो बार होने वाली यह बैठक नीति निर्धारक हैं, जिसमें अगले छह माह के अभियान, मुद्दे और कामकाज तय किए जाते हैं। जिसकी पिछली बैठकें हरियाणा के हस्तिनापुर में हुई थी।

विहिप के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, बैठक में पूरे प्रकरण पर चर्चा के साथ विमर्श तय था कि कैसे दानपात्र मामले में खामियों को दूर कर व्यवस्था को चाक चौबंद बनाया जाए, पर मौजूदा स्थिति को देखते हुए बैठकों को स्थगित कर दिया गया है। जल्द ही संगठन में विमर्श कर बैठक की तिथि तथा स्थान तय किया जाएगा।

लखनऊ में फिर आग का कहर: इरम कॉलेज के ऑफिस में लगी आग, फर्नीचर-फाइलें जलीं; बड़ा हादसा टला

(जीएनएस)।

लखनऊ के इरम कॉलेज के कार्यालय में मंगलवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया।

कैंपल रोड स्थित इरम स्कूल में लगी आग

लखनऊः राजधानी लखनऊ में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित शेखपुर हबीबपुर में मंगलवार दोपहर इरम कॉलेज के कार्यालय में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही चौक फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

दोपहर में मिली आग लगने की सूचना

फायर विभाग के अनुसार

मंगलवार दोपहर करीब 3:50 बजे कंट्रोल रूम को इरम कॉलेज के कार्यालय में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही चौक फायर स्टेशन से दो मिनी फायर टेंडर (एमएफई) और फायरकर्मियों की टीम मौके के लिए रवाना की गई।

ऑफिस का फर्नीचर और दस्तावेज आग की चपेट में आए

मौके पर पहुंचने पर दमकल कर्मियों ने पाया कि कॉलेज के कार्यालय में रखा फर्नीचर, महत्वपूर्ण फाइलें और आलमारियां आग की चपेट में आ गई थीं। फायर टीम ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए पंपिंग शुरू की और कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी टीम भी मामले की जांच करेगी।

सपा सांसद राजीव राय ने करोड़ों की प्रभु राम की मूर्ति चोरी के आरोप लगाए, अयोध्या के युवक ने बता दिया सच

सपा सांसद राजीव राय ने दान की गई प्रभु राम की करोड़ों की मूर्ति चोरी होने के बात कही। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट से इसके बारे में जानकारी देने को कहा है। इस पर अयोध्या के युवक ने उनको सच बता दिया। राजीव राय ने उठाए गंभीर सवाल

मऊः उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी सीट से सपा सांसद राजीव राय ने राम मंदिर चंदा चोरी पर एक और आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके एक मित्र ने करोड़ों रुपये की भगवान राम की एक मूर्ति राम मंदिर ट्रस्ट को दी थी। कहा कि इसको पता करा लें कि यह मूर्ति बची है या फिर ये भी चोरी हो गई है।

घोसी लोकसभा सीट से सपा सांसद राजीव राय ने एक्स हैंडल पर फोटो और वीडियो के साथ एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए ये तंजौर शैली की भगवान की करोड़ों रुपये की मूर्ति बेंगलुरु के मेरे मित्र जय फनीश ने दान किया था। जिसे शुरू में ट्रस्ट मैनेजमेंट ने म्यूजियम में रखने के लिए कहा, जिसकी वजह से भक्त ने देने से मना कर दिया था और कहा कि इससे इच्छा हम अखिलेश यादव जी द्वारा बनवाए जा रहे केदारेश्वर मंदिर में स्थापित कराएंगे। इतना सुनते ही राम मंदिर न्यास ने मंदिर में स्थापित करना स्वीकार कर लिया।

आगे राजीव राय ने कहा कि कृपया श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट स्पष्ट करें कि ये मूर्ति बची है या चोरी हो गई? वहीं, राजीव राय के पोस्ट पर एक मोहित यादव नाम के यूजर ने लिखा है कि मैं अयोध्या का रहने वाला हूं। ये मूर्ति बची है, क्योंकि ये मंदिर परिसर के बाहर स्थापित है। एक अन्य यूजर विकास शुक्ला ने लिखा है कि फालतू की बात कर रहे हो आप लोग। केवल गुप्त दान की रसीद नहीं मिलती है। बाकी इन सबकी प्रॉपर रसीद दी गई है। एक मनीष सिंह यूजर ने लिखा है कि निश्चित तौर पर मूर्ति गुजरात प्रस्थान कर चुकी होगी। अन्य यूजर भी तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

लखनऊ मेट्रो ईस्ट-वेस्ट कोरिडोर को मिली रफ्तार, 384 करोड़ रुपये में बनेंगे 5 एलीवेटेड स्टेशन, इस कंपनी को मिला टेंडर

यूपीएमआरसी ने ठाकुरगंज से वसंतकुंज सेक्शन के निर्माण का ₹384 करोड़ का ठेका रंजीत बिल्डकॉन लिमिटेड को दिया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने लखनऊ मेट्रो के विस्तार में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है. चारबाग से वसंतकुंज के बीच प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर (लखनऊ मेट्रो फेज-1बी) के तहत एलिवेटेड सेक्शन के लिए लगभग 384 करोड़ रुपये (लगभग 453 करोड़ रुपये ऋळ सहित) का प्रमुख सिविल निर्माण टेंडर आवंटित किया गया है. यह टेंडर मेसर्स रंजीत बिल्डकॉन लिमिटेड को ठाकुरगंज मेट्रो स्टेशन से वसंतकुंज मेट्रो स्टेशन के बीच एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर और पांच एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों के डिजाइन और निर्माण के लिए दिया गया है.

मेट्रो रेल कारपोरेशन के जनसंपर्क विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, यह टेंडर यूपीएमआरसी की पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए दिया गया है. विस्तृत तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के बाद मेसर्स रंजीत बिल्डकॉन लिमिटेड को सफल बिडर चुना गया और इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई.

यह परियोजना लखनऊ में शहरी परिवहन को मजबूत करेगी, कनेक्टिविटी में सुधार करेगी, सड़क पर जाम कम लगेगा और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा. इस टेंडर के तहत मेसर्स रंजीत बिल्डकॉन लिमिटेड लगभग 4.6 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड मेट्रो वायाडक्ट का डिजाइन और निर्माण करेगी, जिसमें स्टेशन के हिस्से भी शामिल हैं. इसके साथ ही मुख्य लाइन को डिपो के प्रवेश और निकास से जोड़ने के लिए 740 मीटर लंबा रैंप भी बनाया जाएगा.

ये पांच एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन शामिल

ठाकुरगंज मेट्रो स्टेशन, बालागंज मेट्रो स्टेशन, सरफराजगंज मेट्रो स्टेशन, मूसाबाग मेट्रो स्टेशन, वसंतकुंज मेट्रो स्टेशन

इस कार्य में सहायक संरचनाएं, प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग (ढएइ), वास्तु कार्य, जल आपूर्ति प्रणाली, स्वच्छता व्यवस्था, ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर, बाहरी विकास कार्य, अग्निशमन प्रणाली और विद्युत एवं यांत्रिक (E&M) कार्य भी शामिल हैं. कार्य शुरू होने की तिथि से 24 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा. लखनऊ मेट्रो फेज-1बी, यूपीएमआरसी की उस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत शहर में सुरक्षित, विश्वसनीय और टिकाऊ मास रैपिड ट्रांजिट सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है.

यह कॉरिडोर घनी आबादी वाले क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी देगा और यात्रियों को सड़क परिवहन की तुलना में तेज और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराएगा. यह नया मेट्रो सेक्शन आवासीय क्षेत्रों, व्यावसायिक क्षेत्रों और परिवहन केंद्रों को जोड़ेगा, जिससे नागरिकों की दैनिक यात्रा अधिक आसान होगी. निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी.

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि इस टेंडर का दिया जाना लखनऊ मेट्रो फेज-1बी के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. यह कॉरिडोर नागरिकों के लिए आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराएगा. यूपीएमआरसी समय पर, गुणवत्ता के साथ और विश्वस्तरीय मानकों पर परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. वसंतकुंज मेट्रो डिपो के निर्माण के लिए टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है. इसके अलावा ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के भूमिगत सेक्शन के निर्माण के लिए भी शीघ्र ही टेंडर जारी किया जाएगा.

कैसे लीक हुआ राम मंदिर चढ़ावे में गबन का सीक्रेट? मीडिया तक खबर पहुंचाने वाले 'भेदिया' की हो गई पहचान

(जीएनएस)।

अयोध्या। राम मंदिर की दानराशि में गबन प्रकरण की जानकारी मीडिया तक पहुंचाने वाले 'भेदिया' को खोज लिया गया। अब इस समूह पर कार्रवाई की तैयारी है। हालांकि, अभी संघ के बड़े पदाधिकारियों की सहमति की प्रतीक्षा है।

यह समूह रामजन्मभूमि परिसर के सेवादारों व ट्रस्ट कर्मियों से जुड़ा है। इसने न केवल मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू के नेटवर्क को ध्वस्त किया, बल्कि यह बात मीडिया तक भी पहुंचाई।

टिन्नू का दबदबा नागवार गुजरा

पखवारे भर की उठापटक व एसआईटी जांच के बीच ही सूचना लीक करने वाले को खोज कर इसकी जानकारी संघ के बड़े पदाधिकारियों तक पहुंचा दी गई है। उन ट्रस्ट पदाधिकारी को भी जानकारी दे दी गई है, जिनका टिन्नू करीबी है। इस प्रकरण के तार परिसर में वर्चस्व स्थापित करने की होड़ से जुड़े हैं, अन्यथा इसे अंदर ही अंदर दबाने की तैयारी थी।

दानराशि में गबन मामले की अब तक की जांच में स्पष्ट है कि यह खेल वर्षों से चल रहा था। रामजन्मभूमि परिसर से यह बाहर भी नहीं आ पाता, यदि वहीं के लोग इसे मीडिया तक न लाते। सूत्रों का कहना है कि मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू का दबदबा परिसर के ही एक समूह

को नागवार गुजर रहा था।

मामला दबता देख मीडिया में किया लीक

टिन्नू ने प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही परिसर की व्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित कर लिया था। उसका हर कार्य में प्रभावी दखल रहता था। वह करीबी तो ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी का था, परंतु उसकी अन्य दोनों जिम्मेदारों के समर्थकों से भी पटती थी।

प्रशासन का वाकी-टाकी उसके पास रहने से वह बड़े जनसमूह को विशिष्ट दर्शन भी करा देता था। इन्हीं कारणों से उसके नेटवर्क को ध्वस्त करने का चक्रव्यूह रचा गया। पहले उससे नजदीकियां बढ़ाई गईं और सारे राज इकट्ठा किए गए। फिर उन्हीं पदाधिकारी को सूचना दी गई, जिनका वह विश्वस्त रहा।

बाद में मामला दबते देख मीडिया में जानकारी लीक कर दी गई। इस घटनाक्रम का सूत्रधार कौन बना, इसे कई दिनों से खोजा जा रहा था। अब उन्हें तलाश लिया गया और संघ के पदाधिकारी व मंदिर व्यवस्था के जिम्मेदारों तक यह जानकारी पहुंचा भी दी गयी है।

जल्द ही इस समूह के विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। अभी इस प्रकरण के पटाक्षेप की प्रतीक्षा है। इस समूह में ट्रस्ट कर्मियों के साथ कुछ स्वयंसेवक भी हैं।

अयोध्या के नहीं हैं 'भेदिया'

सूत्रों का कहना है कि जिन लोगों ने सूचना फैलाई, वे स्थानीय नहीं हैं। संघ व विहिप से तो जुड़े हैं, परंतु अन्य जिलों से यहां आकर सेवारत हैं। ये भी संघ के बड़े पदाधिकारी के विश्वस्त हैं, इसलिए तुरंत कार्रवाई से बचा जा रहा है।

उधर, एसआईटी जांच के कारण परिसर के कर्मियों में इतना भय व्याप्त हो गया है कि अब वे अपने परिचितों से भी मोबाइल फोन पर बात करने से घबरा रहे हैं। कुछ लोगों के मोबाइल जमा करा लिए जाने की भी सूचना मिली है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

हर धड़कन में राम, राममंदिर में भ्रष्टाचार से दुःखी हुआ भारतीय जनमानस

राम मंदिर : श्रद्धा, विश्वास और जवाबदेही का प्रश्न, राम भारतीय आत्मा के शाश्वत प्रकाश हैं। कुछ व्यत्तियों की लिप्सा उस प्रकाश को धूमिल नहीं कर सकती, कितु आस्था के मंदिरों को संदेह और भ्रष्टाचार की छाया से मुक्त रखना आवश्यक है।

क्योंकि जब जनता भगवान को अर्पण करती है, तो वह केवल धन नहीं देती, अपना विश्वास सौंपती है और विश्वास की रक्षा किसी भी सयता, किसी भी व्यवस्था और किसी भी धरमिक संस्था की सबसे बड़ी परीक्षा होती है।

भगवान श्रीराम केवल एक धरमिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि भारतीय चेतना के प्राण हैं। राम भारतीय संस्वृति के आधार हैं, लोकजीवन के आदर्श हैं और सनातन सयता के नैतिक शिखर पुरुष हैं। मर्यादा, त्याग, न्याय, करुणा और सामाजिक समरसता की जो परंपरा भारत को विश्व में विशिष्ट बनाती है, उसके वेंद्र में राम हैं।

भारतीय जनमानस की हर धड़कन में राम बसते हैं। जन्म के समय राम नाम के सोहर (बधाई गीत) से आरंभ होने वाला जीवन, अंतिम यात्रा में भी "राम नाम सत्य है" के उद्घोष के साथ पूर्ण होता है। यही कारण है कि राम केवल मंदिरों में स्थापित देवता नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आत्मा के अधिष्ठाता हैं।

पांच सदियों के लंबे संघर्ष, बलिदान और अनगिनत तपस्वी प्रयासों के बाद अयोध्या में रामलला की पुनः प्रतिष्ठा संभव हुई। यह केवल मंदिर निर्माण नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मसम्मान और सांस्वृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक था। देश–विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा और विश्वास को रामलला के श्रीचरणों में सर्मपित किया। किसी ने सोने की चरण पादुका अंर्पित की, किसी ने गहने, किसी ने अपनी जीवन भर की कमाई। यह दान केवल धन का नहीं था, बल्कि राम के प्रति समर्पण और आस्था का प्रतीक था।

राम मंदिर किसी सरकारी धन से र्निमित आस्था का वेंद्र नहीं है, बल्कि यह जनआस्था, जनसहभागिता और राष्ट्रीय चेतना का विराट प्रतीक है। देश के करोड़ों लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई का अंश समिधा की तरह इस निर्माण में सर्मपित किया है।

भारत के कोने–कोने से पत्थर, मिट्टी, जल और पूजनीय सामग्री अयोध्या पहुंचाई गईं, वहीं नेपाल से जनकपुर की पूजनीय शिलाएं और धरमिक उपहार आए, थाईलैंड से पवित्र मिट्टी भेजी गई तथा अमेरिका सहित अनेक देशों में बसे रामभत्तों ने आर्थिक सहयोग और श्रद्धा सामग्री सर्मपित की। यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि समूचे भारतीय समाज और वैश्विक सनातन चेतना के सांस्वृतिक एकात्म का अद्भुत उदाहरण है। संभवतः अयोध्या का राम मंदिर ऐसा पहला मंदिर है, जिसके निर्माण में राष्ट्र की सामूहिक आस्था, सांस्वृतिक सहभागिता और विश्वव्यापी हिदू चेतना का इतना व्यापक एवं भावनात्मक संगम दिखाई देता है।

ऐसे में यदि मंदिर से जुड़े दान, आभूषण या बहुमूल्य वस्तुओं की चोरी अथवा अनियमितता की खबरें सामने आती हैं, तो यह सामान्य अपराध नहीं रह जाता। यह करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास पर आघात है।

यह जनआस्था की चोरी है। मंदिर की संपत्ति पर हाथ डालना वस्तुतः उस विश्वास को चोट पहुंचाना है, जिसने वर्षो तक संघर्ष कर राम मंदिर के स्वप्न को साकार किया।

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि इतना विशाल और संसाधन संपन्न ट्रस्ट आखिर इतनी अव्यवस्था का शिकार वैसे हो गया? जहां सुरक्षा के आधुनिक साधन उपलब्ध हैं, जहां हर गतिविधि पर निगरानी होनी चाहिए, वहां यदि दान की वस्तुओं और निर्माण कार्यो में अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जवाबदेही का गंभीर संकट है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े संस्थानों में पारदर्शिता और अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि वहां भी शिथिलता दिखाई दे, तो स्वाभाविक रूप से जनसंदेह जन्म लेता है।

यूपी शिक्षा को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में जुटी योगी सरकार, प्रदेश में चयन प्रक्रिया हुई शुरू

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शिक्षा सुधारों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी सक्रिय कदम उठा रहा है. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से संबद्ध प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार 'अवार्ड फॉर इनोवेशन एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन' के लिए प्रदेश में चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

शिक्षा प्रशासन में नवाचार, सुशासन, अधिगम सुधार, प्रभावी प्रबंधन और जनभागीदारी आधारित उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारियों का चयन कर उनके नाम राष्ट्रीय स्तर पर भेजे जाएंगे. यह पहल उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहे शिक्षा सुधारों और नवाचारी प्रशासनिक मॉडलों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

चयनित होंगे चार बीएसए और छः बीईओ

अपर राज्य परियोजना निदेशक प्रेम रंजन सिंह द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पुरस्कार के लिए उत्तर प्रदेश से 4 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) तथा 6 खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) का चयन किया जाएगा. इसके लिए सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है कि वे शिक्षा प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों का विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराएं. चयन के दौरान नवाचार, बेहतर प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता, अधिगम स्तर

में सुधार, विद्यालयी व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण तथा विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. उत्तर प्रदेश से चयनित अधिकारी राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपने कार्यों के माध्यम से प्रदेश में लागू शिक्षा सुधारों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करेंगे.

उल्लेखनीय है कि 'अवार्ड फॉर इनोवेशन एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन' भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से संबद्ध राष्ट्रीय स्तर की पहल है. इसका उद्देश्य शिक्षा प्रशासन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करना तथा देशभर में सफल प्रशासनिक नवाचारों और प्रभावी कार्यप्रणालियों को पहचान दिलाना है.

यह हैं निर्देश

निदेशों में कहा गया है कि जनपद ऐसे अधिकारियों के नाम प्रस्तावित करें, जिन्होंने शिक्षा प्रशासन में नवाचार आधारित कार्यप्रणाली अपनाकर उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हों, विशेष रूप से वे अधिकारी प्राथमिकता में रहेंगे जिनके प्रयासों से विद्यार्थियों के अधिगम स्तर, विद्यालय प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता या शैक्षणिक वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला हो.

प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता,जवाबदेही और परिणाम आधारित प्रशासनिक संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है. राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए होने वाला यह चयन न केवल उत्कृष्ट अधिकारियों को पहचान दिलाएगा, बल्कि शिक्षा प्रशासन में नवाचार, प्रतिस्पर्धा और बेहतर प्रदर्शन की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगा.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते वर्षों में बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में अनेक व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं. निपुण भारत मिशन, बाल वाटिका, विद्यालय कायाकल्प, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण संसाधन, मिशन प्रेरणा, शिक्षक प्रशिक्षण और अधिगम गुणवत्ता सुधार जैसे कार्यक्रमों ने विद्यालयी शिक्षा को नई दिशा प्रदान की है. इन पहलों को सफलतापूर्वक धरातल तक पहुंचाने में जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. यही कारण है कि अब ऐसे अधिकारियों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अवसर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है.

भारत की ताकत बढ़ाएगी पीएम मोदी की इंडो-पैसिफिक के तीन देशों की यात्रा- क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले महीने होने वाली इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्राएं भारत–प्रशांत (इंडो–पैसिफिक) क्षेत्र में भारत की रणनीतिक पकड़ को और मजबूत करेंगी. भू–राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) कॉम्पिटिशन और सप्लाई चेन की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, भारत इस क्षेत्र के प्रमुख समुद्री भागीदारों के साथ अपने संबंधों को गहरा करना चाहता है.

दक्षिण–पूर्वी एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के ये तीनों देश, भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के बेहद महत्वपूर्ण हिस्से हैं. इन्हें एक स्वतंत्र, खुले और नियमों से चलने वाले भारत–प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने में भारत का बेहद जरूरी जोड़ीदार माना जाता है.

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अलावा, पीएम मोदी के इस दौरे का बड़ा मकसद समुद्री सहयोग को बढ़ाना, मजबूत सप्लाई चेन तैयार करना और क्रिटिकल मिनरल्स तक भारत की पहुंच बनाना है. इसके साथ ही भारत उन देशों के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करना चाहता है जो इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के हक में हैं.

इंडोनेशियाः व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना

इंडोनेशिया दक्षिण–पूर्वी एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आसियान (अरएअठ) गुट का सबसे प्रभावशाली सदस्य है. मलक्का जलडमरूमध्य के पास इसकी खास भौगोलिक स्थिति भारत के समुद्री हितों के लिए इसे बेहद महत्वपूर्ण बनाती है.

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा से भारत और इंडोनेशिया के बीच की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' और गहरी होने की उम्मीद है. साल 2018 में जब से दोनों देशों के रिश्तों को यह बड़ा दर्जा मिला है, तब से दोनों देशों ने भारत–प्रशांत क्षेत्र से जुड़े मामलों पर एक–दूसरे के साथ तालमेल काफी बढ़ाया है.

भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के लिए इंडोनेशिया बेहद अहम है और यह दक्षिण–पूर्वी एशिया तक पहुंचने के लिए एक पुल का काम करता है. पीएम मोदी का यह दौरा आसियान (अरएअठ) की केंद्रीय भूमिका के लिए भारत के समर्थन को दिखाएगा. साथ ही यह ईस्ट एशिया समिट, आसियान रीजनल फोरम और इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन जैसे मंचों पर आपसी सहयोग को और मजबूत करेगा.

भारत और इंडोनेशिया के करीबी रिश्ते दोनों देशों को अमेरिका और चीन की बढ़ती दुश्मनी के बीच अपनी स्वतंत्रता (रणनीतिक स्वायत्तता) बनाए रखने में मदद करते हैं.

इंडोनेशिया आसियान (अरएअठ) देशों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच कोयला, पाम ऑयल, पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां, इंजीनियरिंग सामान और डिजिटल इकोनॉमी के क्षेत्र में व्यापार काफी बढ़ा है.

इंडोनेशिया के पास निकेल और अन्य खनिजों का बहुत बड़ा भंडार है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के लिए बेहद जरूरी हैं. इस यात्रा से इस क्षेत्र में सहयोग तेज हो सकता है, क्योंकि भारत अपने ऊर्जा बदलाव (एल्ली१८ ळ१ल्ल२३ङ्गल्ल) और ईवी उद्योग के लिए सुरक्षित सप्लाई चेन चाहता है. दोनों देशों के बीच रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा), ग्रीन हाइड्रोजन, बायोफ्यूल और एलएनजी (छठऋ) की सप्लाई को लेकर सहयोग बढ़ने की उम्मीद है.

भारत ने मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित सबांग बंदरगाह को विकसित करने में दिलचस्पी दिखाई है. इससे व्यापार तो बेहतर होगा ही, साथ ही पूर्वी हिंद महासागर में भारत की मौजूदगी भी मजबूत होगी.

इंडोनेशिया भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री भागीदार बनकर उभरा है. दोनों देश समुद्री जहाजों की आवाजाही की जानकारी साझा करने, समुद्री डकैतों को रोकने के अभियानों और खोज व बचाव कार्यों में एक–दूसरे की मदद करते हैं. दोनों देशों के बीच उस समझौते पर बातचीत आखिरी दौर में है, जिसके तहत भारत इंडोनेशिया को अपनी खतरनाक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल निर्यात (एक्सपोर्ट) करेगा.

दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध भारत–प्रशांत (इंडो–पैसिफिक) क्षेत्र में नियमों पर आधारित व्यवस्था और समुद्री जहाजों की आजादी को बनाए रखने में मदद करते हैं. विशेष रूप से दक्षिण चीन सागर और पूर्वी हिंद महासागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए यह बेहद जरूरी है.

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा से पहले, इसी महीने की शुरूआत में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ '8वीं भारत–इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक' (खउट) की सह–अध्यक्षता की थी.

7 जून को हुई इस बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दोनों मंत्रियों ने भारत–इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत आपसी संबंधों की पूरी समीक्षा की और राजनीति, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री व्यापार, निवेश, फार्मा, डिजिटल, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, शिक्षा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की.

दोनों मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई चचाओं ने आपसी रिश्तों को एक नई रफ्तार दी है, जिसमें जनवरी 2025 में राष्ट्रपति सुबियांतो की भारत की राजकीय यात्रा भी शामिल है. दोनों पक्षों ने साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए और क्षेत्रीय व बहुपक्षीय मंचों पर आपसी तालमेल व सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई.

ओडिशा के 'कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडो–पैसिफिक स्टडीज' थिंक टैंक के संस्थापक और अध्यक्ष चिंतामणि महापात्र ने ईटीवी भारत से कहा कि इंडोनेशिया आसियान का सबसे बड़ा देश है. यह आसियान की चचाओं व फैसलों को नेतृत्व देकर एक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को देखते हुए इंडोनेशिया आसियान का एक ऐसा सही देश है जिससे हमें संपर्क बढ़ाना चाहिए.

भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस मिसाइल समझौते को लेकर चिंतामणि महापात्र ने अपनी राय देते हुए कहा कि भारत ने अब आसियान देशों के साथ सुरक्षा और रक्षा से जुड़े रिश्ते विकसित करना शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा कि शुरूआत में यह सहयोग केवल आर्थिक स्तर तक ही सीमित था, लेकिन अब यह सुरक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है.

ऑस्ट्रेलियाः एक प्रमुख रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना

पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया भारत के सबसे करीबी रणनीतिक साझेदारों में से एक बनकर उभरा है. साल 2020 में दोनों देशों के रिश्तों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया था, जिसने अब एक मजबूत भू–राजनीतिक महत्व हासिल कर लिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक जुड़ाव और आपसी तालमेल को और अधिक मजबूती मिलेगी.

भारत और ऑस्ट्रेलिया 'क्वाड' (दर्ळ) समूह के जरिए एक–दूसरे के साथ मिलकर बेहद बारीकी से काम करते हैं, जिसमें अमेरिका और जापान भी शामिल हैं. इसके अलावा दोनों देश जी20, ईस्ट एशिया समिट, राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) और 'इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन' जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी सहयोग करते हैं. यह साझेदारी नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, समुद्री जहाजों की आजादी, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षित व मजबूत सप्लाई चेन बनाने के साझा विचारों को दशार्ती है.

चूंकि दोनों ही देश आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय अपने विकल्पों को बढ़ाना चाहते हैं, इसलिए इन करीबी रिश्तों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है.

दोनों देशों के बीच हुए 'आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते' (एउळअ) के लागू होने से आपसी व्यापार में काफी बढ़ोतरी हुई है. प्रधानमंत्री की इस यात्रा से 'व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते' (उएउअ) को लेकर चल रही बातचीत में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक नियमों में और ढील मिलेगी और बिजनेस करना आसान हो जाएगा.

इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के पास लिथियम, कोबाल्ट और 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' का बहुत बड़ा भंडार मौजूद है. ये खनिज भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (एश) अभियान, सेमीकंडक्टर (चिप) निर्माण और रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बेहद जरूरी हैं.

ऑस्ट्रेलिया में विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासियों (डायस्पोरा) की सबसे बड़ी आबादी और भारतीय छात्रों की एक बहुत बड़ी संख्या रहती है. इसके अलावा, भारत और ऑस्ट्रेलिया भारत–प्रशांत क्षेत्र में एक–दूसरे को बेहद जरूरी सुरक्षा भागीदार के रूप में देखते हैं. दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग ऑसइंडेक्स (अवरक्ठऊए) नौसैनिक अभ्यास, मालाबार अभ्यास, पिच ब्लैक वायु सेना अभ्यास और टैलिसमैन सेब्रे जैसे युद्धाभ्यासों के जरिए काफी मजबूत हुआ है.

इसके साथ ही, 'परस्पर लॉजिस्टिक्स सहायता समझौते' से दोनों देशों की सेनाओं को एक–दूसरे के सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की छूट मिलती है, जिससे उनकी मारक और परिचालन क्षमता बढ़ती है.

हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक मौजूदगी को लेकर कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया की राजधानी) और नई दिल्ली दोनों की चिंताएं एक जैसी हैं. यह बढ़ता सहयोग समुद्र की निगरानी क्षमता को मजबूत करता है और क्षेत्र में शांति बनाए रखने में मदद करता है.

ऑस्ट्रेलिया में भारत के राजदूत रह चुके पूर्व राजनयिक अमित दासगुप्ता ने इस बात पर विशेष ध्यान दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी अन्य भारतीय प्रधानमंत्री की तुलना में सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया है.

पूर्व राजनयिक अमित दासगुप्ता ने ईटीवी भारत से बातचीत में कहा, "जब साल 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया गए, तो 30 से अधिक वर्षों के लंबे अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का वह पहला ऑस्ट्रेलिया दौरा था. इससे पहले राजीव गांधी वहां गए थे. उस दौर से पहले तक, न तो ऑस्ट्रेलियाई लोगों की भारत में कोई खास दिलचस्पी थी और न ही भारतीयों की ऑस्ट्रेलिया में कोई रुचि थी. ऑस्ट्रेलियाई लोग अक्सर मजाक में कहा करते थे कि भारत और ऑस्ट्रेलिया केवल तीन 'C' से जुड़े हुए हैं– क्रिकेट, कॉमनवेल्थ और करी (भारतीय खाना)."

उन्होंने आगे बताया कि साल 2014 में जब पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया, तो उन्होंने तत्कालीन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री टोनी एबॉट के सहयोग और समर्थन से इस "नीरस व फीके रिश्ते" को पूरी तरह से एक बेहद महत्वपूर्ण और ठोस साझेदारी में बदल दिया.

दासगुप्ता ने कहा, "साल 2014 के बाद से हमने देखा है कि भारत–ऑस्ट्रेलिया के संबंध एक बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते के रूप में उभरे हैं. चाहे सुरक्षा का मामला हो, रक्षा का क्षेत्र हो या फिर व्यापार समझौता, दोनों देशों के बीच हर स्तर पर मुलाकातें और बातचीत काफी बढ़ी हैं. अब समय आ गया है कि ऑस्ट्रेलिया भी भारत के साथ इस रिश्ते की अहमियत और ताकत को पूरी तरह से समझे."

भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते (ECTA) का जिक्र करते हुए अमित दासगुप्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार बढ़कर 52 अरब डॉलर (52 बिलियन डॉलर) हो गया है. इसके साथ ही उन्होंने ध्यान दिलाया कि ऑस्ट्रेलिया और चीन का व्यापार 250 अरब डॉलर का है, जो भारत के मुकाबले पांच गुना ज्यादा है.

दासगुप्ता का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस रणनीतिक साझेदारी के जरिए जो बेहतरीन मंच और माहौल तैयार किया है, उसका पूरा फायदा उठाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के बड़े कारोबारियों और नीति निमार्ताओं को अपनी सोच में एक बड़ा बदलाव लाने की जरूरत है.

उन्होंने आगे कहा, "मैं हमारे प्रधानमंत्री की इस ऑस्ट्रेलिया यात्रा को तभी महत्वपूर्ण मानूंगा जब ऑस्ट्रेलियाई पक्ष केवल अच्छे और लुभावने बयान देने से आगे बढ़कर धरातल पर कदम उठाएगा. अब गेंद उनके पाले में है. ऑस्ट्रेलिया ने लंबे समय से अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और एशिया के बारे में अपनी पूरी सोच को वॉशिंगटन (अमेरिका) के भरोसे छोड़ रखा था. लेकिन अब उन्हें एक बड़ा झटका लगा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिमी देशों के सैन्य और रणनीतिक गठबंधन को हिलाकर रख दिया है, जिसके बाद अब ऑस्ट्रेलियाई यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आगे उन्हें क्या करना है."

भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए अमित दासगुप्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार बढ़कर 52 अरब डॉलर हो गया है, जबकि इसके मुकाबले ऑस्ट्रेलिया और चीन का व्यापार 250 अरब डॉलर का है, जो कि पांच गुना अधिक है.

दासगुप्ता का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस रणनीतिक साझेदारी के जरिए जो बेहतरीन मंच और माहौल तैयार किया है, उसका पूरा फायदा उठाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के बड़े कारोबारियों और नीति निमार्ताओं को अपनी सोच में एक बड़ा बदलाव लाने की जरूरत है.

उन्होंने आगे कहा कि वे हमारे प्रधानमंत्री की इस ऑस्ट्रेलिया यात्रा को तभी महत्वपूर्ण मानेंगे जब ऑस्ट्रेलियाई पक्ष केवल अच्छे और लुभावने बयान देने से आगे बढ़कर धरातल पर ठोस जवाब देगा. अब गेंद पूरी तरह से उनके पाले में है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने लंबे समय से अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और एशिया के बारे में अपनी पूरी सोच को वॉशिंगटन (अमेरिका) के भरोसे छोड़ रखा था, लेकिन अब उन्हें एक बड़ा झटका लगा है.

होने वाले पति को खाई में धकेला, फिर इंस्टा पर किया ड्रामा! कौन है कातिल सिया गोयल और उसका प्रेमी चेतन चौधरी?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसी खौफनाक और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने मानवीय रिश्तों को तार–तार कर दिया है। जिसे हमसफर मानकर एक शख्स जिंदगी के सबसे खूबसूरत सपने संजो रहा था, उसी मंगेतर ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुणे के लोहागढ़ किले पर 26 साल के बिजनेसमैन केतन विशाल अग्रवाल की 400 फीट गहरी खाई में गिरकर हुई मौत, कोई हादसा नहीं बल्कि एक सोची–समझी खूनी साजिश थी। ये केस इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड से मिलती–जुलती है।

केतन की हत्या के आरोप में उनकी 20 साल की मंगेतर सिया गोयल और उसके 22 वर्षीय ब्वॉयफ्रेंड चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिया गोयल और उसके चेतन चौधरी पर केतन के हत्या का आरोप है। पुलिस का कहना है कि केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई फेंका गया था और बाद में इसे हादसा बताने की कोशिश की गई थी। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गया था। बाद में उसका शव खाई से बरामद किया गया।

हैरान करने वाली बात यह है कि मंगेतर केतन को खाई में धक्का देने के कुछ ही घंटों बाद सिया गोयल ने इंस्टाग्राम पर बेहद भावुक पोस्ट लिखकर रोने का नाटक भी किया। ऐसे में आइए जानते हैं कि कौन है सिया गोयल और उसका प्रेमी चेतन चौधरी।

इस मर्डर मिस्ट्री को समझने के लिए सबसे पहले इसके किरदारों को जानना जरूरी है। 26 साल का मृतक केतन विशाल अग्रवाल पुणे जिले के गहुंजे का रहने वाला था। केतन एक बेहद रईस परिवार से ताल्लुक रखता था और अपने परिवार के बड़े रियल एस्टेट बिजनेस में बतौर डायरेक्टर काम संभाल रहा था। वहीं इस केस की मुख्य आरोपी 20 साल की सिया गोयल पुणे के ही एक बहुत बड़े मसाला कारोबारी की बेटी है।

केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी महीने में हुई थी। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह शादी तय हुई थी। घर में खुशियों का माहौल था और आने वाले नवंबर महीने में राजस्थान के उदयपुर (कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार जयपुर) के एक बेहद आलीशान और शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी। यह शादी कितनी भव्य होने वाली थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस पर करीब ₹17 करोड़ खर्च होने वाले थे और मेहमानों को लाने–ले जाने के लिए दो चार्टर्ड प्लेन तक बुक किए जा चुके थे।

पुलिस के मुताबिक 18 जून को केतन अपनी मंगेतर सिया के साथ लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। कुछ समय बाद वह करीब 400 फीट गहरी खाई में गिर गए। शुरूआत में इसे हादसा माना गया और सिया ने भी पुलिस को बताया कि तेज हवा के बीच केतन का पैर फिसल गया था। लेकिन जांच आगे बढ़ी तो कहानी पूरी तरह बदल गई। सिया गोयल पुणे के एक प्रतिष्ठित मसाला कारोबारी परिवार से जुड़ी बताई जाती है। परिवार ने उसकी शादी केतन के साथ तय की थी। दोनों परिवार इस रिश्ते को लेकर उत्साहित थे और शादी की तैयारियां बड़े स्तर पर शुरू हो चुकी थीं।

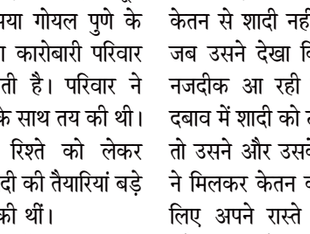

जानकारी के मुताबिक, शादी के लिए राजस्थान के एक शाही पैलेस को चुना गया था। मेहमानों के लिए विशेष उड़ानों की व्यवस्था तक की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स में शादी का बजट करोड़ों रुपये बताया गया है। हालांकि पुलिस जांच में दावा किया गया कि सिया इस रिश्ते से खुश नहीं थी और किसी अन्य युवक के साथ संबंध में थी। पुलिस के मुताबिक, चेतन चौधरी पुणे के कोंढवा इलाके का रहने वाला 22 वर्षीय युवक है। जांच एजेंसियों का दावा है कि वह पिछले लगभग एक साल से सिया के संपर्क में था और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। पुलिस का आरोप है कि चेतन और सिया केतन को अपने रिश्ते की सबसे बड़ी बाधा मानते थे। इसी वजह से दोनों ने कथित तौर पर उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

केतन शादी को लेकर एक्साइटेड था, लेकिन सिया को पसंद था चेतन

एक तरफ जहां केतन शादी को लेकर एक्साइटेड था और अपनी होने वाली पत्नी सिया से बहुत प्यार करता था, वहीं सिया के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि सिया गोयल पिछले करीब एक साल से पुणे के कोंढवा के रहने वाले 22 साल के चेतन चौधरी के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थी।

सिया इस अरेंज मैरिज से बिल्कुल भी खुश नहीं थी। वह चेतन से प्यार करती थी और उसे लगता था कि केतन अग्रवाल उन दोनों के प्यार के बीच सबसे बड़ी बाधा बन चुका है। वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी। जब उसने देखा कि शादी की तारीख नजदीक आ रही है और परिवार के दबाव में शादी को टालना नामुमकिन है, तो उसने और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर केतन को हमेशा–हमेशा के लिए अपने रास्ते से हटाने का एक खौफनाक और जानलेवा प्लान तैयार कर लिया। केतन अपनी मंगेतर को खुश रखने का कोई मौका नहीं छोड़ता था। शादी से पहले दोनों ने इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर घूमने जाने का प्लान बनाया था। इसके लिए केतन ने सारी बुकिंग और टिकट्स भी फाइनल कर दिए थे। लेकिन सिया इस ट्रिप पर नहीं जाना चाहती थी। उसने केतन से झूठ बोला कि उसका पासपोर्ट कहीं खो गया है, जिसके चलते वह ट्रिप कैंसिल करनी पड़ी। बाद में पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई कि सिया ने खुद ही अपना पासपोर्ट फाड़कर फेंक दिया था ताकि उसे केतन के साथ बाहर न जाना पड़े।

यही नहीं, सिया का जन्मदिन आने वाला था और केतन उसके प्री–बर्थडे को बेहद यादगार बनाना चाहता था। इसके लिए केतन ने महाबलेश्वर के एक बेहद महंगे और लग्जरी रिसॉर्ट में पूरे 40 कमरे बुक कर दिए थे, जहां एक बहुत बड़ी पार्टी होने वाली थी। इसी बीच, सिया ने ही केतन के सामने लोहागढ़ किले पर जाकर प्री–वेडिंग फोटोशूट और प्री–बर्थडे सेलिब्रेशन के बहाने ट्रैकिंग करने का आइडिया रखा, जिसे केतन खुशी–खुशी मान गया। उसे क्या पता था कि यह ट्रैकिंग उसके जीवन का आखिरी सफर बनने वाली है।

पुलिस के मुताबिक केतन को मारने की साजिश एक दिन में नहीं रची गई थी। सिया और चेतन ने इसके लिए बकायदा रेकी की थी। सबसे पहले 31 मई को दोनों लोहागढ़ किले पर गए थे, जहां उन्होंने इस पूरी वारदात का खाका तैयार किया कि किस जगह से धक्का देने पर मौत पक्की है।

इसके बाद 14 जून को सिया और केतन दोबारा लोहागढ़ किले पर पहुंचे। इस दौरान सिया के साथ उसका प्रेमी चेतन चौधरी भी वहां छिपा हुआ था। प्लानिंग के मुताबिक, केतन को सांप का डर दिखाकर असंतुलित करने और खाई में धकेलने की कोशिश की गई थी, लेकिन उस दिन किस्मत अच्छी होने के कारण केतन बच गया और उसे सिया पर कोई शक भी नहीं हुआ।

इसके ठीक पांच दिन बाद यानी 18 जून की सुबह सिया दोबारा केतन को अपने जाल में फंसाकर लोहागढ़ किले के ऊपर ले गई। सुबह करीब 10:30 बजे जब वे किले के एक सुनसान और खतरनाक पॉइंट पर पहुंचे, तो पीछे से चेतन चौधरी भी वहां आ गया।

अलीगंज अग्निकांडः पापा, हमे बचा लीजिए... और फिर हमेशा के लिए खामोशी

!अमिताभ जैसी लंबाई, मासूम सी मुस्कान... आग ने सब खत्म कर दियाझ्र

आफाक अहमद मंसूरी

लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं, लेकिन 18 वर्षीय शाहजान सिद्दीकी की कहानी सुनकर हर आंख नम हो जाती है। ये सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि एक ऐसे बेटे के बिछड़ने की दास्तान है जिसके सपने अभी उड़ान भरना ही शुरू हुए थे।

शाहजान सिद्दीकी, जो उम्मीद की रौशनी उर्दू दैनिक अखबार लखनऊ जिला मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मुफीद अहमद के नाती थे, अपने परिवार की उम्मीदों का केंद्र थे। तीन बहनों में अकेला भाई था, लखनऊ के जानकीपुरम में रहने वाला शाहजान मूल रूप से बाराबंकी के फतेहपुर का निवासी था। पढ़ाई के साथ-साथ वो अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में कंप्यूटर कोर्स कर रहा और और अपनी मेहनत व काबिलियत के दम पर वहीं बच्चों को पढ़ाने का काम भी करने लगा था। कम उम्र में ही वो अपने पैरों पर खड़े होने का सपना देख रहा था।

लेकिन किसे पता था कि सपनों से भरी आंखें कुछ ही मिनटों में हमेशा के लिए बंद हो जाएंगी। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक जब इमारत में आग ने विकराल रूप ले लिया और चारों तरफ धुआं भर गया, तब शाहजान जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था। उसी दौरान उन्होंने अपने पिता को फोन किया। कांपती हुई आवाज में उन्होंने सिर्फ इतना कहा— पापा... हमें बचा लीजिए..." ये शब्द सुनकर एक पिता का कलेजा कैसे फटा होगा, इसकी कल्पना भी रूह कंपा देती है, वो पिता, जो अपने बेटे की हर खुशी के लिए दिन-रात मेहनत करता रहा, जो बेटे के भविष्य के लिए विदेश में रहकर कमाई करता रहा, शाहजान के पिता दुबई में रहते हैं और महज 10 जून को ही अपने घर आए थे। परिवार खुश था, बेटे के साथ वक्त गुजार रहा था, भविष्य की बातें हो रही थीं। किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ दिनों बाद वही पिता अपने जवान बेटे के जनाजे के सामने खड़ा होगा।

बताया जाता है कि जब तक परिवार और मदद पहुंच पाती, तब तक शाहजान जहरीले धुएं और आग की चपेट में आ चुके थे। जिंदगी बचाने की उनकी आखिरी पुकार भी उन्हें मौत के मुंह से वापस नहीं ला सकी।

जिस घर में कल तक शाहजान की हंसी गूंजती थी, आज वहां सन्नाटा पसरा है। मां की आंखें अपने बेटे को ढूंढ रही हैं, पिता के कानों में अब भी वो आखिरी आवाज गूंज रही है— पापा... हमें बचा लीजिए..." और नाना मुफीद अहमद समेत पूरा परिवार इस सदमे से टूट चुका है।

पोस्टमार्टम के बाद शाहजान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव फतेहपुर, बाराबंकी ले जाया गया, हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था, आखिर इस मासूम की क्या गलती थी? ये हादसा सिर्फ शाहजान की मौत नहीं, बल्कि एक परिवार के सपनों, उम्मीदों और खुशियों की मौत है। अल्लाह मरहूम शाहजान सिद्दीकी की मगफिरत फरमाए और परिवार को सब्र-ए-जमील नसीब फरमाए

न हूटर का अधिकार, न पद की पहचान, ट्रैफिक पुलिस ने उतरवाई 'प्रेस' और 'चेयरमैन' लिखी प्लेट

पीलीभीत/बीसलपुर। सोमवार को ट्रैफिक पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक कार को रोककर जांच की। कार पर अवैध रूप से हूटर (सायरन) लगा हुआ था तथा वाहन पर 'प्रेस' और 'चेयरमैन' लिखी प्लेट भी लगी मिली। जांच में चालक न तो पत्रकार निकला और न ही किसी चेयरमैन पद पर पाया गया।

ट्रैफिक पुलिस ने तत्काल वाहन से हूटर, 'प्रेस' और 'चेयरमैन' लिखी प्लेट हटवा दी। पूछताछ के दौरान चालक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी। इसके बाद पुलिस ने उसे भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया।

ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि बिना अधिकार के वाहन पर हूटर, प्रेस या किसी पदनाम की प्लेट लगाना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार करेगी भाकियू (भानु), संगठन विस्तार के साथ नई टीम का गठन

बीसलपुर, पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) के संगठन विस्तार अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने, नए लोगों को संगठन की नीतियों से अवगत कराने तथा किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाकियू (भानु) के जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी एवं बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष राकेश प्रताप यादव ने संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों एवं किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) किसानों, मजदूरों एवं आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्षरत है और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का अभियान जारी रहेगा।

इस दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई नए पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने अयूब खान को जिला संगठन मंत्री, पीलीभीत, मोहम्मद आदिल (पूर्व सैनिक) को नगर अध्यक्ष, बीसलपुर, फरमान को उपाध्यक्ष, बीसलपुर तथा मोहम्मद वसीम को महामंत्री पद का दायित्व सौंपा। इसके अतिरिक्त रईस खान को संगठन का सदस्य बनाया गया।

साथ ही सुल्तान खान, उस्मान खान एवं शरीफ खान को भी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर किसान हित में सक्रिय रूप से कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (भानु) किसानों के शोषण, अधिकारियों की मनमानी एवं क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन किसान, मजदूर और आम जनता से जुड़े मामलों में भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार करेगा तथा जनहित के मुद्दों को प्रशासन और शासन स्तर तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने तथा किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संगठन के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृति मंत्रालय प्रायोजित राजा मकरध्वज नाटिका का भव्य मंचन, विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

(जीएनएस)।

बाराबंकी। जेष्ठ माह के आठवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर ग्राम राजापुर, पो० लक्ष्बरबजहा में आयोजित विशाल भंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम बना। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राजा मकरध्वज नाटिका का भव्य मंचन किया गया।सुप्रसिद्ध लोक गायक संतोष राय एंड पार्टी ने नाटिका की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। हनुमान जी के पुत्र मकरध्वज की कथा को लोक शैली में प्रस्तुत कर कार्यक्रम में भक्तिमय माहौल बना रहा। इसके साथ ही लोक गीतों व झांकियों की प्रस्तुति ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया।गायिका सीतापुर निवासी शिवानी कश्यप के मधुर स्वरों द्वारा " तेरी जय हो गणेश" व "वीर हनुमाना,अति बलवाना," प्रस्तुत किये गये गीतों ने श्रोताओं का मन मोह लिया वहीं संतोष राय ने "बम बम बोल रहा है काशी"में गीत सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रगतिशील महिला फाउंडेशन के तत्वावधान में किया गया। विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। सुबह 3 बजे से शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चला।

इस पावन अवसर पर जनकल्याण किसान एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पर्यावरण प्रहरी धर्म कुमार यादव,राष्ट्रीय अध्यक्ष भास्कर यादव आदि को जनमानस समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकित यादव पत्रकार एवं भंडारा कमेटी द्वारा अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व फूल मालाओं से सम्मानित कर अभिनंदन किया गया।अंकित यादव ने कहा कि धर्म और पर्यावरण दोनों का साथ होना जरूरी है। धर्म कुमार यादव जी ने अपने संबोधन में कहा कि "जैसे बजरंगबली ने पूरे वन को संजीवनी के लिए उखाड़ दिया था, वैसे ही हमें भी वन बचाने का संकल्प लेना चाहिए। सेवा ही सच्ची पूजा है।कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक मंडल राजापुर, प्रगतिशील महिला फाउंडेशन की सभी पदाधिकारियों व पंकज वर्मा, ललित वर्मा, दिलीप वर्मा, बेनी वर्मा, अरविंद शर्मा, रिषिकेश वर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा। पूरा राजापुर गांव "जय श्री राम, जय बजरंगबली" के जयकारों से गूंज उठा।

भरत भूषण तिवारी प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

बीसलपुर, पीलीभीत। राष्ट्रीय योगी सेना के पदाधिकारियों ने बिहार राज्य के चर्चित भरत भूषण तिवारी हत्या प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन पुलिस क्षेत्राधिकारी बीसलपुर के माध्यम से प्रेषित किया।

ज्ञापन में कहा गया कि भोजपुर जनपद के शाहपुर थाना क्षेत्र के विटौली गांव में 17 जून 2026 को हुई घटना से जनमानस में गहरी चिंता एवं आक्रोश व्याप्त है। संगठन का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति पर कोई आरोप हो तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ऐसी घटनाओं में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय योगी सेना ने अपने ज्ञापन में कहा कि बिहार सरकार द्वारा मामले की न्यायिक जांच कराने का निर्णय स्वागत योग्य है तथा इससे घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। संगठन ने मांग की कि जांच में जो भी पुलिसकर्मी अथवा अधिकारी दोषी पाए जाएं, उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और आमजन का न्याय व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हो सके।

संगठन ने पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय, समुचित आर्थिक सहायता एवं आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराए जाने की भी मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय योगी सेना के जिला अध्यक्ष सुमित कुमार शंखधार, जिला संयोजक विभांशु शुक्ला, जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा तथा संगठन के कार्यकर्ता मुकुल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व मांगल्य सभा की अवध प्रांत की दो दिवसीय बैठक लखनऊ में संपन्न

लखनऊ विश्व मांगल्य सभा की अवध प्रांत की दो दिवसीय बैठक का आयोजन एस.आर. इंस्टीट्यूट, सीतापुर रोड, लखनऊ में संपन्न हुआ।

बैठक के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक प्रचारक श्रीराम जी भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

विश्व मांगल्य सभा की अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री पूजा देशमुख ताई जी तथा धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग की अखिल भारतीय सह संयोजिका सुरभि श्रीवास्तव जी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। तथा दूसरे दिन की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कुटुंब प्रबोधन क्षेत्रीय प्रमुख ओमपाल जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कुछ नए दायित्वों की भी घोषणा की गई।

दो दिवसीय बैठक में मातृशक्ति को समाज में संस्कार, सदाचार, सामर्थ्य और सेवा के माध्यम से कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस विषय पर गहन चर्चा हुई। कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवारों में मूल्य स्थापना, महिलाओं की कार्यपद्धति, संगठन की भूमिका एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत मंथन किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि मातृशक्ति समाज निर्माण की धुरी है। सशक्त कुटुंब से ही सशक्त समाज का निर्माण होगा। जब तक महिलाओं में सदाचार, आत्मबल और सेवाभाव का विकास नहीं होगा, तब तक विश्व का मंगल संभव नहीं है। विश्व मांगल्य सभा का उद्देश्य हर महिला को सशक्त बनाकर राष्ट्र निर्माण में उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

बैठक में अवध प्रांत अध्यक्ष नमिता शुक्ला ,सदाचार सह संयोजिका डॉक्टर सुमन त्रिपाठी , उपाध्यक्ष नेहा पाठक

सह सचिव मोनिका शाह, स्मिता सिंह ,

कोषा अध्यक्ष विनीत सिंह,

कार्यालय प्रमुख राम करनावल,

धर्म संस्कृति शिक्षा संयोजिका श्वेता कार्ति, सह संयोजिका सुनीता यादव, व बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं।

आखिर हादसे के बाद ही क्यों जागा एलडीए, जबकि वर्ष 2016 में जारी हुआ था बिल्डिंग गिराने का आदेश

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड में 15 विद्यार्थियों की दर्दनाक मौत के बाद प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली और निर्माण संबंधी निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिस भवन में आग लगने से यह बड़ा हादसा हुआ, उसके विरुद्ध लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा वर्ष 2016 में ही ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया था। आरोप है कि बाद में विभागीय स्तर पर मिलीभगत और कानूनी प्रक्रियाओं के सहारे कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई हादसे के बाद एलडीए प्रशासन हरकत में आया है। विभाग ने सोमवार देर शाम भवन स्वामी को पुनः नोटिस जारी करते हुए 15 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। निर्धारित अवधि पूरी होने और विधिक प्रक्रिया संपन्न होने के बाद भवन के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। एलडीए के संबंधित अधिकारियों के अनुसार भवन में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण किए जाने तथा भवन के उपयोग में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। मामले में पुनः कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भवन के विरुद्ध वर्ष 2016 में ही ध्वस्तीकरण आदेश पारित हो चुका था, तो पिछले एक दशक में उस पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध निर्माण के मामलों में नोटिस, सीलिंग, अपील और न्यायिक प्रक्रिया के नाम पर वर्षों तक मामले लंबित रखे जाते हैं, जिससे निर्माणकर्ता और संचालक गतिविधियां जारी रखते हैं। जानकारों के अनुसार अवैध निर्माण पाए जाने पर एलडीए सबसे पहले कार्य रोकने का नोटिस जारी करता है। इसकी एक प्रति संबंधित थाने को भी भेजी जाती है। इसके बाद निर्माण कार्य रुकवाने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस पर डाल दी जाती है स्थानीय पुलिस विभिन्न कारणों, विशेषकर पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध न होने का हवाला देकर कार्रवाई को कई बार आगे बढ़ा सकती है। इसके बाद यदि निर्माण जारी रहता है तो एलडीए द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की जाती है। सीलिंग के पश्चात मामला सक्षम न्यायालय अथवा एलडीए के विहित न्यायालय में पहुंच जाता है, जहां मुकदमे वर्षों तक लंबित रह सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कई मामलों में प्रशासनिक शिथिलता और कथित मिलीभगत के कारण अवैध निर्माण वर्षों तक संचालित होते रहते हैं। प्रारंभिक जांच और उपलब्ध अभिलेखों से विभिन्न विभाग जिसमें लखनऊ विकास प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, बिजली विभाग, दमकल विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हुए हैं। जानकारी के अनुसार भवन का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत था, जबकि उसका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। आवासीय भूखंड पर व्यावसायिक गतिविधियों के अनुरूप बिजली कनेक्शन दिए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। भवन में आग से सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम नहीं पाए गए। आग लगने की स्थिति में बाहर निकलने का वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं था, जिससे बड़ी संख्या में छात्र अंदर फंस गए। जानकारी के अनुसार परिसर में संचालित कोचिंग एवं अध्ययन केंद्र निर्धारित मानकों और सुरक्षा प्रावधानों को पूर्ण नहीं कर रहे थे। हादसे के दौरान बचाव दल को भवन तक पहुंचने और अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए इमारत की दीवार तोड़कर रास्ता बनाना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भवन में आपातकालीन निकास व्यवस्था न होने से राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि वर्ष 2016 के आदेश पर समय रहते अमल किया गया होता तो संभवतः यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही, कर्तव्य की उपेक्षा अथवा मिलीभगत सिद्ध होती है तो उनके विरुद्ध भी संबंधित कानूनों एवं सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। भवन स्वामी अथवा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी और किसी भी व्यक्ति की दोषसिद्धि जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही विधिक रूप से निर्धारित होगी। अपनी भारतीय भाषा में कहे तो आखिर में सब चंगा सी।

दुकानदार को पड़ोसी कर रहे परेशान, जान से मारने की धमकी,भाजपा नेता पर रसूख के दम पर मामला दबाने का आरोप

(जीएनएस)।

उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में एक मिठाई दुकानदार को पड़ोसियों द्वारा लगातार परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि एक आरोपी भाजपा के ओबीसी मोर्चा का जिला मंत्री है, जिसके रसूख के चलते पुलिस कार्रवाई नहीं हो रही है।

कस्बा मोहल्ला छोटी बाजार निवासी आशीष पुत्र प्रेमकुमार अपनी मिठाई की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि पड़ोसी सूरज, पवन (पुत्रगण जगदीश) और दिनेश (पुत्र जयकुमार) अपने अज्ञात साथियों के साथ मिलकर पुरानी दुकानदारी की रंजिश के चलते उन्हें आए दिन परेशान करते हैं। आरोपी उनकी दुकान का सामान फेंक देते हैं, मारपीट करते हैं और गाली-गलौज करते हैं।

पीड़ित आशीष ने इस संबंध में बांगरमऊ कोतवाली में दिनांक 02/12/2025 को एक मुकदमा भी दर्ज कराया था। हालांकि, उनका आरोप है कि दबंगों ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर मामले को रफा-दफा करा दिया है। आशीष का कहना है कि आरोपी भाजपा के ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री होने के कारण अपनी तानाशाही चला रहे हैं।

आशीष ने बताया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिससे उनका जीना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आला अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक दबंगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित का परिवार इसी दुकान से अपनी रोजी-रोटी चलाता है।

इसी बीच, एक अन्य घटना में लालू सक्सेना नामक एक लैया-चना विक्रेता की दुकान को नगर पालिका टीम ने हटाने का प्रयास किया, जबकि सड़क पर लगी अन्य दुकानें नहीं हटाई गईं। पीड़ित लालू सक्सेना ने इसे गरीबी का मजाक उड़ाना बताते हुए नगर पालिका प्रशासन से सभी अतिक्रमण हटाने की मांग की है, न कि निजी रंजिश के चलते सिर्फ मजदूरों को निशाना बनाने की।

आशीष ने माननीय मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस पूरे मामले की जांच कराकर दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें और उनके परिवार को न्याय मिल सके।

वही जब इस पूरे मामले को लेकर अधिशाषी अधिकारी गुंजन गुप्ता को फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया.